बी.ए. तृतीय वर्ष पांचवा सेमेस्टर

खंड क :	**समकालीन हिंदी कविता (5.1)**	
हिंदी 5.1	**विषय वस्तु**	**पाठ्यक्रम के परिणाम**
co-1	समकालीन हिंदी कवि (सात) व उनकी कविताएं	• कला पक्ष और भाव पक्ष का बोध • काव्य लेखन के लिए प्रवृत्त • देश प्रेम की भावना का बोध •काल बोध (तुलनात्मक अध्ययन) • भारतीय लोक जीवन का दर्शन • लेखन शैली व खड़ी बोली का बोध • आत्मीयता,नैतिकता आदि गुणों का विकास • नए आयाम व बदलाव के लिए प्रेरित
खंड ख :	**हिंदी साहित्य का इतिहास - आधुनिक काल (5.2)**	
हिंदी 5.2	**विषय वस्तु**	**पाठ्यक्रम के परिणाम**
co-2	भारतेंदुयुग,द्विवेदीयुग, छायावाद,प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता	• आधुनिक काल की परिस्थितियां व विशेषताओं का ज्ञानार्जन • काल बोध व तुलनात्मक अध्ययन • भारतीय लोक जीवन का ज्ञान प्राप्त • सामाजिक व नैतिक गुणों का विकास • हिंदी साहित्य में रुचि बढ़ेगी • आधुनिककाल के प्रत्येक युग के कवियों का अध्ययन • हिंदी साहित्य से सामाजिक व नैतिक गुणों का विकास • कला पक्ष व भाव पक्ष का बोध
खंड ग :	**प्रयोजनमूलक हिंदी (5.3)**	
हिंदी 5.3	**विषय वस्तु**	**पाठ्यक्रम के परिणाम**
co-3	पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन	• विभिन्न प्रकार के औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों के लेखन कौशल का विकास • पत्र लेखन के नियमों व लेखन शैली का ज्ञान प्राप्त • आत्मविश्वास में वृद्धि • सृजनात्मक लेखन शक्ति के विकास में प्रवृत • सामाजिक व व्यवहारिक गुणों का विकास

बी.ए. तृतीय वर्ष छठा सेमेस्टर

खंड क :	**नव्यतर गद्यगौरव**	
हिंदी 6.1	**विषय वस्तु**	**पाठ्यक्रम के परिणाम**
CO -1	निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, यात्रावृतांत	• राष्ट्र के प्रति प्रेम भावना व मानवता की भावना का विकास • विचार शक्ति में वृद्धि • मानवतावादी विचारधारा व सेवापरायणता की भावना जागृत • प्रकृति की गुणवत बोध, संरक्षण का भाव व सांस्कृतिक परम्परा का बोध • भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों की सीख • गंभीर चिंतन तथा कर्तव्य परायणता का बोध • लेखन क्षमता के लिए प्रेरित • जीवन जगत के ज्ञान का साक्षात्कार
खंड ख :	**हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास**	
हिंदी 6.2	**विषय वस्तु**	**पाठ्यक्रम के परिणाम**
CO -2	हरियाणवी भाषा का उदभव और विकास हरियाणा की विभिन्न बोलियों व उनके क्षेत्र विशेष से परिचय व सामान्य ज्ञानार्जन हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य (उपन्यास) (कविता) कहानी साहित्य हरियाणवी नाटय साहित्य एकांकी, प्रहसन झलकी/ रेडियो नाटक	• हरियाणवी भाषा का मूलभूत ज्ञानार्जन • ऐतिहासिक नाट्कों का ज्ञानार्जन • प्रमुख सांग व सांगियो का ज्ञानार्जन • उपन्यासकारों व उनकी भाषा शैली का ज्ञान प्राप्त • काव्य की विशेषताओं से लोक जीवन का ज्ञानार्जन • ऐतिहासिक परिचय, काव्य की विशेषता • मातृभूमि से प्रेम की भावना जागृत • कहानी की कथावस्तु लेखक व भाषा शैली का ज्ञान वर्धन • तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणवी संस्कृति का अध्ययन, सामाजिक विसंगतियों व हास्य-व्यंग्य से परिचित • लेखन शैली से परिचित होंगे • सामान्य ज्ञान में वृद्धि • हरियाणवी साहित्य में रुचि जागृत
खंड ग:	**प्रयोजनमूलक हिंदी.. पत्रकारिता**	
हिंदी 6.3	**विषय वस्तु**	**पाठ्यक्रम के परिणाम**
CO-3	पत्रकारिता:स्वरूप एवं प्रकार शीर्षक की संरचना	• पत्रकारिता की अहम भूमिका दवारा विभिन्न विषयों का ज्ञानर्जन • लेखन क्षमता का विकास

	संपादक के गुण और दायित्व, फीचर लेखन स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा	• व्यक्तिगत गुणों /कौशल का विकास • सामाजिक उत्थान के लिए प्रेरित • नई तकनीक का ज्ञान • व्यवसाय के रूप में अच्छा विकल्प • मौलिक अधिकार व कर्तव्य का बोध • भारतीय विभिन्न संस्कृतियों को जानने का अवसर व देश प्रेम की भावना का विकास • कानून और प्रेस के बीच की कड़ी को जानेंगे • वसुधैव कुटंबकम की भावना का प्रसार